कोलायत की ग्राम पंचायतों व पं समितियों के पुनर्सीमांकन के विरोध में प्रदर्शन

बीकानेर,(कासं)। विधानसभा क्षेत्र कोलायत व बज्जू ब्लॉक के कांग्रेस पार्टी के जनप्रतिनिधियों ने पूर्व ऊर्जा मंत्री भंवर सिंह भाटी के नेतृत्व में ग्राम पंचायतों व पंचायत समितियों का पुनर्सीमांकन में रखी गई विभिन्न प्रकार की विसंगतियों के मद्देनजर जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि को सोमवार को ज्ञापन सौंपा।

इससे पहले पूर्व ऊर्जा मंत्री भाटी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कोलायत व बज्जू ब्लॉक कांग्रेस तथा देशनोक के जनप्रतिनिधियों व कांग्रेस कार्यकर्ता बिश्नोई धर्मशाला से रैली के रूप में रवाना हुए। रैली में शामिल लोग राज्य सरकार व जिला प्रशासन के खिलाफ आक्रोश व्यक्त करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने तख्तियां हाथ में लिए हुए सरकार के विरोध में नारे लगा रहे थे।

पूर्व ऊर्जा मंत्री भंवर सिंह भाटी के नेतृत्व में कोलायत की ग्राम पंचायतों के पुनर्सीमांकन के विरोध में प्रदर्शन कर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

■ नवसृजित पंचायत समितियों का पुनर्सीमांकन के बाद जो ग्राम पंचायत शामिल की गई है, उसमें ग्राम पंचायत मुख्यालय से पंचायत समिति मुख्यालय तक की दूरी, सड़क मार्ग से जुड़ाव व आमजन की सुविधाओं का ध्यान नहीं रखा गया

जिला कलेक्टर को ज्ञापन देते हुए पूर्व मंत्री भाटी ने कहा कि नवसृजित पंचायत समितियों का पुनर्सीमांकन के बाद जो ग्राम पंचायत शामिल की गई है, उसमें ग्राम पंचायत मुख्यालय से पंचायत समिति मुख्यालय तक की दूरी, सड़क मार्ग से जुड़ाव व आमजन की सुविधाओं का ध्यान नहीं रखा गया है। जिससे ग्राम पंचायत ग्रामवासियों को पंचायत समिति मुख्यालय तक पहुंचने में काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि कोलायत विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत जिनकी दूरी नवीन प्रस्तावित पंचायत समिति से सड़क मार्ग से अधिक दूरी होने के कारण ग्राम पंचायतों को वर्तमान पंचायत समितियों में रखा जाए। जिससे ग्राम पंचायत के ग्रामवासियों को निकटतम व सुविधाजनक पंचायत समिति मुख्यालय की सुविधा का लाभ मिल सके। साथ ही कई गांवों को दूर दूर की ग्राम पंचायतों में सम्मिलित किया गया है, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा और उन्हें प्रशासनिक दृष्टि से भी काफी परेशानियां होगी।

पूर्व मंत्री भाटी ने बताया कि राजस्थान की भाजपा सरकार द्वारा पंचायतीराज इकाईयों व नगर निकायों के परिसीमन की छूट देने के बाद जिला प्रशासन द्वारा विधानसभा क्षेत्र श्रीकोलायत के गांवों को नजदीक की ग्राम पंचायत से हटाकर दूर की ग्राम पंचायत में सम्मिलित किया गया है। काफी ग्राम पंचायतों को पुरानी नजदीक की पंचायत समितियों से हटाकर नवीन दूर की पंचायत समितियों में शामिल किया है, जो स्थानीय ग्रामीणों की सुविधाओं के अनुरूप नहीं है तथा प्रशासनिक दृष्टि से भी ग्रामीणों के साथ अन्याय किया गया है। उन्होंने बताया कि परिसीमन हमेशा ग्रामीणों की सुलभ पहुंच, उनकी सुविधा को ध्यान में रखकर किया जाता रहा है। लेकिन इस बार परिसीमन सरासर गलत किया गया है एवं जनभावना के अनुरूप कई ग्राम पंचायतें भी नहीं बनाई गई है। देशनोक नगर पालिका के वार्डों का परिसीमन भी वार्ड के निवासियों के अनुरूप नजदीकी वार्ड में सम्मिलित ना करके उन्हें भी राजनीति की भेंट चढ़ाया गया है जो सरासर अन्याय है।

उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से राजस्थान के मुख्यमंत्री व जिला प्रशासन से मांग की है कि श्रीकोलायत विधानसभा क्षेत्र के पंचायतीराज व नगर निकाय के किए गए परिसीमन पर पुनर्विचार कर स्थानीय ग्रामीणों को उनकी सुविधा के अनुरूप उन्हें नजदीक की ग्राम पंचायतों व पंचायत समितियों में सम्मिलित कर जनहित में फैसला लेते हुए ही परिसीमन किया जाए।

इस अवसर पर देहात जिला कांग्रेस अध्यक्ष बिशनाराम सियाग, भूदान यज्ञ बोर्ड के अध्यक्ष लक्ष्मण कड़वासरा, केश कला बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र गहलोत, प्रधान कोलायत पुष्पा देवी सेठिया, कोलायत ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मदन मेघवाल, बज्जू ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष गणपतराम सीगड़, देशनोक पालिका चेयरमैन ओमप्रकाश मूंधड़ा, झंवरलाल सेठिया, कोलायत उपप्रधान रेवंतराम, देशनोक नगर कांग्रेस अध्यक्ष जगदीश उपाध्याय, सरपंच भेलू घम्माराम माकड़, सरपंच कोलासर राधेश्याम उपाध्याय, देवीसिंह रावलोत पूर्व सरपंच, जिला परिषद सदस्य मोहनदान चारण, पूर्व सरपंच रूपाराम मेघवाल आदि मौजूद थे।

पीबीएम में मरीजों के लिए कूलर की व्यवस्था

बीकानेर,(कासं)। नर सेवा नारायण सेवा, इस स्लोगन को ध्यान में रखें तो सेवा का जज्बा अपने आप ही जहन में आता है। ऐसे में संभाग के सबसे बड़े पीबीएम अस्पताल में देशभर से इलाज के लिए आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को निशुल्क कूलर उपलब्ध कराकर प्रचंड गर्मी से राहत देने का कार्य कर रही है।

बालचंद राठी मेमोरियल ट्रस्ट और मोहन सिंह वेलफेयर सोसायटी और ट्रस्ट की ओर से पिछले तीन सालों से यह सेवा कार्य किया जा रहा है। संस्थाओं की ओर से पीबीएम हॉस्पिटल के ठीक सामने स्थित आनंदम विश्राम स्थल संस्थाओं की ओर से 50 से अधिक कूलर रखवाए गए हैं। इन कूलर को भर्ती मरीज के लिए रखवाने का तरीका भी बहुत आसान है।

संस्थान से जुड़े वेद व्यास बताते हैं कि भर्ती मरीज का कोई तीमारदार अपनी आईडी और नाम मात्र की सिक्योरिटी राशि जमा करवाकर कूलर ले सकता है। मरीज के डिस्चार्ज होने पर कूलर जमा करवाकर अपनी आईडी और सिक्योरिटी राशि वापस ले सकता है। व्यास का कहना था कि सिक्योरिटी भी इसलिए जमा की जाती है ताकि कोई मरीज गलती से कूलर अपने साथ ना ले जाए। आईडी और मामूली राशि संस्था के पास रहेगी तो उसे घर जाते वक्त यह याद रहेगा कि कूलर वापस जमा करवाना है।

समिति के जसराज सिंवर ने बताया कि हमारी संस्था के द्वारा गर्मी के मौसम को देखते हुए पीबीएम हॉस्पिटल में लगे लगभग 100 से ज्यादा कूलर और छत के पंखे जो खराब थे उनको भी करवाया गया है।

पीबीएम में किडनी ट्रांसप्लांट यूनिट शुरू नहीं होने से मरीज परेशान !

बीकानेर, (कासं)। यहां पीबीएम अस्पताल में किडनी ट्रांसप्लांट यूनिट पूरी तरह तैयार है। भवन बन चुका है, मशीनें लग चुकी हैं, स्टाफ को ट्रेनिंग मिल चुकी है और ऑर्गन रिट्रीवल सेंटर की मान्यता भी मिल चुकी है। इसके बावजूद ट्रांसप्लांट प्रक्रिया अब तक शुरू नहीं हो पाई है, जिससे हर साल सैकड़ों मरीजों को इलाज के लिए जयपुर, दिल्ली या अहमदाबाद जैसे शहरों की ओर रूख करना पड़ता है।

■ ट्रांसप्लांट सुविधा नहीं होने से सैकड़ों किडनी मरीजों को दिल्ली जयपुर या अहमदाबाद जाना पड़ता है

यह स्थिति न केवल आर्थिक रूप से उन्हें कमजोर करती है बल्कि शारीरिक व मानसिक रूप से भी थका देती है। यह स्थिति वर्षों से बनी हुई है। जबकि सरकारी फाइलों में यह परियोजना लगभग पूरी मानी जा रही है। पीबीएम अस्पताल में किडनी ट्रांसप्लांट यूनिट की पहली घोषणा वर्ष 2014 में की गई थी। तब से लेकर अब तक 11 साल बीत चुके हैं। इस बीच सरकारें बदली, चिकित्सा मंत्री बदले, तकनीकी विकास हुआ लेकिन यूनिट धरातल पर मरीजों के लिए सेवाएं शुरू नहीं कर सकी।

अब यह मामला न केवल चिकित्सा क्षेत्र की प्रशासनिक विफलता को उजागर करता है, बल्कि आमजन की स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच के सवाल भी खड़े करता है। किडनी डायलिसिस एंड ट्रांसप्लांट फाउंडेशन बीकानेर ने इस मुद्दे को लगातार उठाया है। फाउंडेशन ने 2023 से लेकर अब तक उन्होंने दर्जनों पत्र मेडिकल कॉलेज प्रशासन को लिखे हैं, लेकिन नतीजा शून्य रहा है। विधायक जेठानंद व्यास से भी आग्रह किया है। सरकारी स्तर पर पीबीएम प्रशासन इस प्रोजेक्ट को अंतिम रूप देने की बात जरूर करता है। सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. गुंजन सोनी ने आश्वासन दिया है कि वे ट्रांसप्लांट प्रक्रिया की शुरूआत के लिए गंभीर प्रयास कर रहे हैं। हर साल बीकानेर और आसपास के जिलों से सैकड़ों किडनी फेल्योर के मरीज ट्रांसप्लांट के लिए जयपुर, दिल्ली या अहमदाबाद जैसे शहरों का रूख करते हैं। ये शहर मरीजों के लिए न केवल दूरी में बल्कि खर्च में भी भारी पड़ते हैं। यात्रा, रहने और इलाज का खर्च मिलाकर लाखों रूपए का बोझ मरीजों और उनके परिवारों पर पड़ता है। यदि बीकानेर में ही यह सुविधा शुरू हो जाए तो सैकड़ों मरीजों की जान बचा सकती है।

बैरिकेड से कार टकराई

बीकानेर, (कासं)। यहां ढोला मारू के सामने देर रात एक कार यातायात शाखा के बैरिकेड से टकरा गई और उसे दूर तक घसीट कर ले गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। कार में सवार दो लोगों को थाने ले जाया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि तेज गति से आ रही एक बार ढोला मारू के सामने रखे लोहे के बैरिकेड से टकराई जिससे उसका एक टायर बैरिकेड में फंस गया।

कार उसे काफी दूरी तक घसीटकर ले गई। पास ही फास्ट फूड गाड़ों पर खड़े लोगों ने कार को रुकवाया। कार में सवार युवक नशे में बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलने पर सदर थाना एसएचओ दिगपाल सिंह चारण मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि कार में दो युवक सवार थे। किसी को चोट नहीं लगी है। दोनों को पूछताछ के लिए थाने ले जाया गया है। मौके पर से कार को हटवा दिया गया है। ढोला मारू स्थित शराब के ठेके बाहर रोड लाइट नहीं होने के कारण वहां अंधेरा रहता है।

बूस्टर से पानी खींचा तो लगेगा जुर्माना

बीकानेर, (कासं)। शहर में जलापूर्ति के दौरान सीधे बूस्टर लगाकर पानी खींचने वाले उपभोक्ताओं का बूस्टर जब्त किया जायेगा और जुर्माना भी लगाया जायेगा। इसके लिए एक कमेटी का गठन किया गया है। यह कमेटी औचक निरीक्षण करेगी।

■ पानी खींचने वाले उपभोक्ताओं का बूस्टर जब्त किया जायेगा

जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता खेमचंद सिंगारिया ने बताया कि ग्रीष्मकाल व नहरबंदी के मद्देनजर वर्तमान में एक दिन छोड़कर एक दिन जलापूर्ति की जा रही है। इस दौरान कुछ उपभोक्ता जलापूर्ति के दौरान सीधे ही बूस्टर लगाकर पानी खींचने की शिकायतें लगातार प्राप्त ही रही है। इस कारण अंतिम छोर पर बैठे उपभोक्ताओं तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है। सिंगारिया ने बताया कि जलापूर्ति के दौरान सीधे बूस्टर लगाना अवैधानिक व अवैध है। बूस्टर लगाने वाले उपभोक्ताओं पर पैनी नज़र रखने के लिए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा वृत स्तर पर एक सतर्कता कमेटी का गठन किया गया है। यह कमेटी जलापूर्ति के समय प्रतिदिन किसी भी मोहल्ले में जाकर सीधे जलापूर्ति से बूस्टर लगाने वाले उपभोक्ताओं के बूस्टर जब्त करेगी और साथ ही शास्ति वसूली जायेगी। ऐसे उपभोक्ता का जल संबंध विच्छेद भी किया जा सकता है। उन्होंने सभी उपभोक्ताओं से सीधे जलापूर्ति से बूस्टर नहीं लगाने की हिदायत दी है। उधर लोगों को पानी के टैंकर का सहारा लेना पड़ रहा है। बीकानेर में देर रात बारह बजे तक पानी के टैंकर से आपूर्ति करनी पड़ रही है। शहर में एक दिन छोड़कर एक दिन पानी आ रहा है।

अवैध बस स्टैण्डों से यातायात बाधित

बीकानेर, (कासं)। शहर में अवैध बस स्टैण्ड और अनधिकृत बस संचालन व्यवस्था जनजीवन के लिए खतरा बन चुकी है। तयशुदा बस स्टैंड बीछवाल को दरकिनार कर निजी बसें शहर की व्यस्त सड़कों से संचालित हो रही हैं, जिससे यातायात व्यवस्था चरमरा रही बल्कि लोगों की जान को भी जोखिम में डाला जा रहा है।

दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि प्रशासन और संबंधित विभाग आंखें मूंदे बैठे हैं। बीकानेर शहर में प्राइवेट बस संचालन को लेकर तय बस स्टैंड बीछवाल में है, लेकिन हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। निजी बस ऑपरेटर बसों का संचालन उरमूल सर्किल (भीमसेन सर्किल) के चारों तरफ जहां लोगों का आवागमन चलता रहता है। वहां पर अपनी गाडियां अवैध तरीके से खडी कर सवारियों को उठाने का काम करते हैं। इसी तरह पीबीएम हॉस्पिटल रोड, गोगागेट, भीमसेन सर्किल, रानी बाजार ओवरब्रिज जैसे शहर के अत्यधिक व्यस्त क्षेत्रों से कर रहे हैं।

इन जगहों पर बिना अनुमति बनाये गए बस स्टॉप से हर दिन सैकड़ों बसें लोगों की जान जोखिम में डालते हुए रवाना हो रही है। इससे ना केवल यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो रही है, बल्कि पैदल चलने वालों और दोपहिया वाहन चालकों के लिए भी खतरा बढ़ गया है। अव्यवस्थित पार्किंग, अचानक बसों का रूकना और सड़कों पर भीड़भाड़ आम समस्या बन चुकी है। शिकायतों के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही।

करंट से युवक झुलसा

नोखा, यहां वार्ड नंबर 6 में सोमवार शाम को एक मजदूर बिजली के करंट से घायल हो गया। भगीरथ मेघवाल नाम का मजदूर एक निर्माणाधीन मकान में काम कर रहा था। इस दौरान वह मकान के पास से गुजर रही 11000 वोल्ट की हाई टेंशन लाइन की चपेट में आ गया।

मूल ओबीसी विकास परिषद के अध्यक्ष जगदीश भार्गव अपनी टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायल मजदूर को राजकीय बागड़ी जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद भगीरथ को बीकानेर रेफर किया। स्थानीय लोगों के अनुसार मात्र 8 फीट चौड़ी गली में से गुजरती यह हाई टेंशन लाइन लंबे समय से खतरा बनी हुई है। हर समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। जगदीश भार्गव ने मोहल्लेवासियों की मांग का समर्थन किया।

सिंचाई पानी को लेकर एसडीएम कार्यालय का घेराव

श्रीगंगानगर, (कासं)। आज गंगनहर में 2500 क्यूसेक सिंचाई पानी की मांग को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में किसानों ने पदमपुर एसडीएम कार्यालय का घेराव किया। बड़ी संख्या में पहुंचे किसानों ने नारेबाजी की। मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। किसानों ने कहा कि पंजाब पानी को लेकर मनमानी कर रहा है। राजस्थान सरकार कोई कार्रवाई नहीं कर रही है।

■ 8 मई को गजसिंहपुर के गुरूद्वारा सिंहसभा में जिले भर के किसानों की बैठक में आंदोलन की रणनीति तय की जायेगी

किसान नेताओं ने चेतावनी दी कि जल्द पानी नहीं मिला तो आंदोलन और तेज होगा। अब 8 मई को गजसिंहपुर के गुरूद्वारा सिंहसभा में जिले भर के किसानों की बैठक होगी। इसमें आंदोलन की अगली रणनीति तय की जायेगी। संयुक्त किसान मोर्चा के नेता राकेश शर्मा ने कहा कि जिले की जनता को पीने के पानी के नाम पर ज़हर परोसा जा रहा है। किसान सिंचाई पानी के लिए परेशान हैं। पंजाब में राजनीतिक दल पानी के मुद्दे पर एकजुट हो चुके हैं। इससे साफ है कि आने वाले समय में खेती के लिए पानी मिलना और मुश्किल होगा। अखिल भारतीय किसान सभा के जिला प्रवक्ता रविंद्र तरखान ने कहा कि जिले की खेती किसी भी कीमत पर बर्बाद नहीं होने दी जायेगी। इसके लिए मजबूत आंदोलन जरूरी है। किसान सभा के अध्यक्ष अमतेंद्र सिंह क्रांति ने कहा कि नरमा की बिजाई का समय चल रहा है। इस समय पानी की कमी किसानों की कमर तोड़ सकती है। गजसिंहपुर क्षेत्र के किसानों ने सिंचाई पानी की मांग को लेकर गजसिंहपुर तहसील मुख्यालय पर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। किसानों ने गंगनहर में पानी की मांग को लेकर तहसीलदार सपना सोनी को ज्ञापन सौंपा।

पेयजल संकट को लेकर पूर्व मंत्री भाटी 8 मई से कलेक्ट्रेट के समक्ष धरना देंगे

बीकानेर, (कासं)। जिले में पेयजल संकट को लेकर पूर्व मंत्री देवीसिंह भाटी 8 मई से कलेक्ट्रेट के समक्ष अनिश्चितकालीन धरने पर अपने समर्थकों के साथ बैठेंगे।

सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में भाटी ने कहा कि गर्मी में पानी के संकट को देखते हुए जिला प्रशासन के अधिकारी बेपरवाह है। कहने को तो नगर निगम व बीडीए की ओर से पानी की सप्लाई टैंकरों के जरिये की जा रही है। लेकिन किसी प्रकार से किसी अधिकारी के नंबर, टैंकर सप्लायर की जानकारी कही भी साझा नहीं की गई है। जिससे सरकार की बदनामी हो रही है। हालात यह है कि कोई प्राप्ति रशीद भी नहीं ली जा रही है।

पेयजल संकट को लेकर पूर्व मंत्री देवी सिंह भाटी ने बीकानेर सर्किट हाउस में पत्रकार वार्ता को संबोधित किया।

ऐसे में शहर व ग्रामीण अंचलों में पानी का संकट गहराता जा रहा है। ऐसे बेपरवाह अधिकारियों को नींद से जगाने के लिये वे अपने समर्थकों के साथ अनिश्चितकालीन धरने पर बैठेंगे। उन्होंने कहा कि व्यवस्थाओं में घुण लगा हुआ है। अधिकारी रात्रि चौपाल की बातें करता है। उसका नतीजा सामने क्या आया।

■ टैंकर संचालकों पर मनमाने रूपयों की वसूली करने का आरोप

हालात यह है कि टैंकर संचालक मनचाही रूपयों की वसूली कर रहे है। मंजर यह है कि जिन कुंओं से टैंकरों में पानी भरा जाता है। वहां भी भेदभाव बरतने की शिकायतें सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि गंगाशहर क्षेत्र, नयाशहर थाने के पीछे, जैसलमेर रोड पर बने पानी के कुंए या ट्यूबवैलों पर क्षेत्राधिकार वाले टैंकर सप्लायर्स किसी अन्य को पानी भरने नहीं दे रहे है। इतना ही नहीं टैंकर सप्लायर्स ने जिला प्रशासन की ओर से तय राशि से भी अधिक वसूली कर रहे है।

उन्होंने कहा कि खाजूवाला में पेयजल संकट के समय डिग्गियों से खारा पानी वितरण हो रहा है। जो पीने के योग्य नहीं होने के बावजूद मजबूरी वश लोगों को पीना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के कस्बों में पेयजल संकट गहराया हुआ है लेकिन टैंकर आदि से जलापूर्ति की कोई व्यवस्था नहीं है। जल जीवन मिशन में विभाग ने गांवों में पाइप लाइन तो डाल दी लेकिन उनमें पानी नहीं आ रहा है अधिकारी ग्रामीण क्षेत्रों में नहीं जाकर कमरों में ही बैठे खानापूर्ति कर रहे हैं।

धरने पर बैठने के बारे में पूछे जाने पर पूर्व मंत्री भाटी ने कहा कि 8 तारीख तक या तो जिले में पेयजल की सुचारू व्यवस्था हो जायेगी नहीं तो धरना दिया जायेगा। वहीं तेरापंथ महिला मंडल नोखा इकाई ने नोखा में जल संरक्षण अभियान के तहत एक बूंद एक सागर कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान स्कूली बच्चों को जल संरक्षण का महत्व और तरीके समझाए गए।

स्कूलों में पानी के लिए बजेगी घंटी

बीकानेर, (कासं)। विद्यार्थियों में स्वास्थ्य, जागरूकता और नियमित जल पीने की आदत को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने जिले सभी सरकारी और निजी स्कूलों में 'वाटर बेल' कार्यक्रम लागू करने का आदेश जारी किया है।

जिले के स्कूलों में यह कार्यक्रम लागू किया जा रहा है। यह पहल विद्यार्थियों में हाइड्रेशन की महत्ता स्थापित करने और स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं को कम करने के उद्देश्य से की जा रही है। कलेक्टर की ओर से जारी आदेशानुसार सभी स्टूडेंट्स में हर दिन दो बार तीसरे और छठे पीरियड के दौरान विशेष वाटर बेल बजाई जायेगी। यह बेल सामान्य बेल से अलग होगी, जिससे इसकी पहचान विशेष रूप से की जा सकेगी। वाटर बेल बजते ही टीचर विद्यार्थियों को जल सेवन के लिए प्रेरित करेंगे। इस पहल की नियमित रूप से पालन हो, स्कूल प्रबंधन की ओर से इसके लिए हिदायत गई है। मासिक रिपोर्ट संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी को भेजी जायेगी।

सार-समाचार

साहित्यकार डॉ. हरिशंकर का सम्मान

पोकरमल राजरानी गोयल चेरिटेबल ट्रस्ट और मुक्ति संस्था ने डॉ. हरिशंकर आचार्य का सम्मान किया।

बीकानेर, (कासं)। पोकरमल राजरानी गोयल चेरिटेबल ट्रस्ट तथा मुक्ति संस्था द्वारा सोमवार को होटल राजमहल में आयोजित कार्यक्रम में युवा साहित्यकार डॉ. हरिशंकर आचार्य का विशेष सम्मान किया गया। ट्रस्ट अध्यक्ष डॉ. नरेश गोयल ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि बीकानेर की समृद्ध साहित्यिक परम्परा रही है। यहां के लेखकों ने देशभर में बीकानेर का नाम गौरवान्वित किया है। युवाओं द्वारा यह परम्परा आगे बढ़ाई जा रही है। यह अच्छे संकेत हैं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के दौर में इसकी प्रासंगिकता और बढ़ी है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार राजेन्द्र जोशी ने कहा कि डॉ. आचार्य ने राजस्थानी और हिन्दी गीत एवं कविता लेखन को नए आयाम दिए हैं। लेखन में इनकी प्रयोगधर्मिता इन्हें दूसरों से अलग स्थान दिलाती है। उन्होंने कहा कि आचार्य ने अपने गीतों में लोक परम्पराओं और लोक रीतियों को भी भरपूर स्थान दिया है। इस अवसर पर डॉ. हरिशंकर आचार्य ने कहा कि पुस्तकें पढ़ने वालों की संख्या में दिनों दिन कमी आ रही है। यह चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि पुस्तकें ही हमारी सबसे अच्छी मित्र हैं। इनका स्थान कोई नहीं ले सकता। उन्होंने कहा कि दोनों संस्थाओं द्वारा किया गया सम्मान उनके लिए अविस्मरणीय है। पोकरमल राजरानी गोयल चेरिटेबल ट्रस्ट के राजेश गोयल ने स्वागत उद्बोधन दिया। परवेश गोयल ने आभार जताया।

कलेक्टर ने समीक्षा बैठक ली

बीकानेर कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने विभिन्न विभागों और बजट घोषणाओं को लेकर की समीक्षा बैठक ली।

बीकानेर, (कासं)। जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न विभागों की एवं बजट घोषणाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला कलेक्टर ने बजट घोषणाओं को जल्द पूरा करने को लेकर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। संपर्क पोर्टल पर परिवेदनाओं को 30 की बजाय 15 दिन में ही निस्तारण के निर्देश भी दिए। बैठक में जिला कलेक्टर ने कहा कि सरकारी अस्पताल में बच्चे के जन्म के बाद परिजनों से जन्म प्रमाण पत्र फॉर्म भरवा कर अपलोड नहीं किए तो पेनल्टी अस्पताल पर लगाई जायेगी। शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रत्येक सैंपल का टेस्ट हो और मिलावट मिलने पर आवश्यक कार्रवाई करें। सीईओ जिला परिषद सोहन लाल ने कहा कि बिजली विभाग के अधिकारी ग्रामीण क्षेत्र में विद्युत पोल लगाने को लेकर इस तरह की एसओपी जारी करें कि ग्रामीण क्षेत्र में सड़क किनारे विद्युत पोल वहीं लगाया जायेगा जहां सड़क की बाउंड्री खत्म होती है। चाहे काश्तकार का कब्जा कहीं तक हो। राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज रास्ते का पटवारी से सीमा ज्ञान करवाने के बाद ही विद्युत पोल लगाया जाए।

बोलेरो-कैम्पर की टक्कर में एक मरा

नोखा, (कासं)। बीकानेर के मुकाम में कैम्पर और बोलेरो में टक्कर हो गई। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान सोहनलाल थापन के रूप में हुई है। सोहनलाल के भाई भंवरलाल की पत्नी धापीदेवी नोखा पंचायत समिति की उप प्रधान हैं। सोहनलाल मुकाम से कैंपर गाड़ी में नोखा की ओर जा रहे थे। मुकाम से निकलते ही उनकी कैंपर एक बोलेरो से टकरा गई। हादसे में सोहनलाल थापन के साथ जगदीश बिश्नोई घायल हो गए। इसके साथ ही बोलेरो में सवार पेमाराम भी हादसे का शिकार हो गए। सभी घायलों को नोखा बागड़ी अस्पताल लेकर जाया गया। जहां सोहनलाल थापन ने दम तोड़ दिया। अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बीकानेर रेफर कर दिया। सोहनलाल थापन लम्बे समय से बिश्नोई समाज के तीर्थस्थल मुकाम से जुड़े हुए थे। उनके निधन की खबर से बिश्नोई समाज में शोक की लहर है। उनका शव नोखा के जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखा गया है। पूर्व सरपंच रविन्द्र बिश्नोई, रिछपाल फौजी, सुभाष खारा, सुरेश बिश्नोई, मांगीलाल मुकाम और जुगल बिश्नोई सहित कई लोग अस्पताल पहुंचे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ट्रेन की चपेट में आने से मौत

बीकानेर, (कासं)। रेलवे स्टेशन से करीब तीन किलोमीटर दूरहेमासर गांव के पास बीकानेर रतनगढ़ सवारी गाड़ी की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। हैड कांस्टेबल देवाराम ने बताया कि रेलवे द्वारा सूचना मिली कि हेमासर गांव के पास रेल पटरी पर एक युवक का शव पड़ा है। मौके पर पहुंचकर जांच की गई तो युवक की जेब से एक मोबाइल फोन बरामद हुआ। मोबाइल से युवक की पहचान उपखंड के आडसर गांव निवासी रमेश (30) जाटपुत्र चिमनाराम जाट के रूप में हुई। ट्रेन के चपेट के आने से युवक का धड़ शरीर से अलग हो गया। प्रथमदृष्टया यह मामला आत्महत्या का लग रहा है। पुलिस मौके से मिले साक्ष्यों के आधार पर जांच में जुटी है। शव को राजकीय उपजिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

सेवा प्रकल्प का किया उद्घाटन

बीकानेर, (कासं)। भारतीय सिन्धु सभा की ओर से एक नये प्रकल्प भारतीय सिंधु सभा सेवा परिषद की तीन शाखाओं सुदर्शना नगर पवनपुरी, रथखाना व मुक्ता प्रसाद को आम जन को समर्पित किया जा चुका है। इसी कड़ी में परिषद की धोबी तलाई शाखा का शुभारम्भ समाज के गणमान्य सदस्यों की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय सिंधु सभा की महानगर महिला ईकाई की भारती गुवालानी ने की तथा मुख्य अतिथि वरिष्ठ दादी कलावाती व विशिष्ट अतिथि कांता हेमनानी, वर्षा लखानी, पूनम टिकयानी व तेजप्रकाश वलीरमानी रहे। ईष्टदेव झूलेलाल को माल्यार्पण मातृ शक्ति सत्संग मंडली की दादी रूकमणी द्वारा किया गया। विद्या गुवालानी, मधु सादवानी, देवी नवानी, कमला सदारंगानी, निर्मला हरवानी, हरनाम खतूरिया व तौलाराम गुवालानी व नन्हें यश ने अपनी उपस्थिति दी। महानगर अध्यक्ष किशन सदारंगानी ने बताया कि भारतीय सिंधु सभा सेवा परिषद बीकानेर के प्रकल्प की चारों शाखाओं को आम जन के लिए सर्वसुलभ करवा दिया गया है।

कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

क्रमांक : नियमन/2025/3927 — सार्वजनिक आपत्ति सूचना — दिनांक : 28-04-2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री अरूण कटारिया पुत्र श्री दीपक कटारिया निवासी 1125 अग्रसेन नगर, सिटी हॉस्पीटल रोड, श्रीगंगानगर के द्वारा न्यास क्षेत्र में स्थित आवासीय भूखण्ड का न्यास रिकार्ड में नामान्तरण हेतु आवेदन किया गया है। उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में न्यास रिकार्ड एवं आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज की स्थिति निम्नानुसार है :

न्यास रिकार्ड के अनुसार भूखण्ड का विवरण		आवेदक के द्वारा भूखण्ड के नामान्तरण हेतु प्रस्तुत दस्तावेजों का विवरण
भूमि का विवरण	मूल भूखण्डधारी	दस्तावेज का विवरण
चक 3 ई छोटी मुरब्बा नं. 18/19 किला नं. 16 भूखण्ड संख्या ए-45 माप 30 इन्टू 50 फीट शिवनगर, श्रीगंगानगर	उक्त भूखण्ड का पट्टा संख्या 2050 दिनांक 30.03.2003 को श्रीमती दर्शना कटारिया पत्नी श्री जीतराम कटारिया के नाम से जारी किया हुआ है।	श्री अरूण कटारिया द्वारा उक्त भूखण्ड को पंजीकृत बेचनामा दिनांक 29.01.2025 के द्वारा क्रय कर उक्त भूखण्ड का ऑनलाईन नामान्तरण हेतु न्यास में आवेदन प्रस्तुत किया है।

इस प्रकार उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में उपर्युक्तानुसार दस्तावेजों की प्रति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर नामान्तरण चाहा गया है इस सम्बन्ध में श्री अरूण कटारिया पुत्र श्री दीपक कटारिया निवासी 1125 अग्रसेन नगर, सिटी हॉस्पीटल रोड, श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज/फ्री होल्ड पट्टे के सम्बन्ध में कोई आपति है तो सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस में पुख्ता दस्तावेजों सहित अपनी आपति/उजर/दावा निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त अवधि के दौरान इस भूखण्ड से सम्बन्धित समस्त दस्तावेजों को आमखास/हितबद्ध व्यक्ति के देखने व पढ़ने के लिये कार्यालय समय में खुला रखा गया है। बाद मियाद प्रकरण का निस्तारण कर दिया जावेगा एवं कोई आपति / उजर स्वीकार नहीं होगा। आवेदन संख्या :- SGNR/FY24-25/MUT/31 — सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर